एक नजर में

थाना परिसर में गार्डन संचालकों की बैठक

महिदपुर। थाना महिदपुर पुलिस ने थाना क्षेत्र के सभी होटल, लॉज, धर्मशाला, गार्डन आदि के संचालकों की मीटिंग ली गई। बैठक में थाना प्रभारी द्वारा सभी संचालकों को सुरक्षा संबंधी आवश्यक निर्देश एवं जागरूकता प्रदान की गई। मीटिंग में निम्न प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा की गई। सभी संचालक अपने यहां आने वाले अतिथियों एवं आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी मय तिथि एवं पहचान पत्र के प्रतिदिन थाने पर देने को कहा। सभी संचालकों को निर्देश दिया गया कि अपने प्रतिष्ठानों पर 24 घंटे चौकीदार, गार्ड की ड्यूटी सुनिश्चित करें। थाना प्रभारी ने बताया कि यह कदम नागरिकों की सुरक्षा, अपराधों की रोकथाम तथा होटल एवं लॉज संचालकों की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के लिए है।

नाथू सिंह ने अब तक 2 हजार पौधे रोपे

महिदपुर। आयुष्मान आरोग्य मंदिर सेमलिया से नाथू सिंह पिता अंबाराम उम्र 90 वर्ष जो कि एनसीडी रक्तचाप और मधुमेह का इलाज पिछले 6 माह से ले रहे थे। समय समय पर फ़ॉलअप की वजह से उनका बीपी और शुगर पूरी तरह से कंट्रोल था। अस्पताल से प्राप्त बेहतर स्वास्थ्य सेवा और इलाज से प्रेरित होकर दादा ने अस्पताल को एक पौधा सप्रेम भेंट के रूप में प्रदान किया और लोगों को पौधारोपण करने हेतु जागरूक किया। नाथू सिंह ने अपने पूरे जीवन काल में लगभग 1800 से 2000 पौधे लगाए जो कि महिदपुर तहसील के अलग-अलग सरकारी स्थलों पर पौधारोपण करके उन्होंने अपनी समाज और प्रकृति हित में अपनी अहम भूमिका निभाई। इस मौके पर समस्त ग्रामीण जन उपस्थित थे। डॉक्टर दीपक सोलंकी ने नाथूसिंह का आभार व्यक्त किया।

निपानिया टोल पर वाहनों को एक ही लेन में निकालने को लेकर बस ऑपरेटरों ने किया चक्काजाम

घट्टिया। उज्जैन-आगर-झालावाड़ नेशनल हाई-वे स्थित निपानिया टोल पर सोमवार दोपहर बस ऑपरेटरों ने चक्काजाम कर दिया। बस ऑपरेटरों का कहना है कि वाहनों के टोल से निकलने की 3-3 लेन होने के बाबजूद टोलकर्मी एक-एक लेन में ही वाहन निकालते इस कारण बस लेट हो जाती जिससे यात्री भी परेशान होते हैं व ऑपरेटर में भी विवाद की स्थिति बनती है। आगे की लाइन बनाने में भी परेशानी होती है। जिसको लेकर बस ऑपरेटरों ने टोल पर रोड़ जाम कर दिया। घट्टिया थाना पुलिस को सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची और चक्काजाम खुलवाया गया।

डॉ .जाटवा का अभिनंदन किया

उज्जैन। परस्पर सहकारी बैंक के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. प्रभुलाल जाटवा को भारतीय जनता पार्टी का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर बैंक अध्यक्ष अनिलसिंह चंदेल, उपाध्यक्ष हरदयालसिंह एडवोकेट, संचालक डॉ.अजयशंकर जोशी, पुरुषोत्तम मिस्त्री, निशा त्रिपाठी, गीता रामी, श्रीरामसांखला, मोतीलाल निर्मल, राजेश गुप्ता, प्रतिनिधि घनश्याम सक्सेना, प्रभारी एमडी पंकज कवठेकर, पूर्व एमडी एस.एन.सोमानी आदि ने शाल, श्रीफल, माला, पुष्पमालाओं से अभिनन्दन कर यशस्वी कार्यकाल की कामना की। डॉ. जाटवा ने इस अवसर पर कहा कि हमारा प्रयास है कि संगठन और अधिक मज़बूत बने तथा प्रदेश का विकास और अधिक तेज गति से हो।

56 भोग लगाकर 51 बटुकों ने की महाआरती

उज्जैन। सोम प्रदोष त्रयोदशी पर पृथुकेश्वर महादेव एवं केदारेश्वर महादेव को 56 भोग लगाकर 51 बटुकों द्वारा महाआरती की गई। अवंतिका महाकाल युवा तीर्थ पुरोहित समिति रामघाट अध्यक्ष अजय जोशी कुंडवाला गुरु ने 56 भोग महोत्सव में विशेष अतिथि नगर महामंत्री जगदीश पांचाल, नगर उपाध्यक्ष सोनल अजय जोशी, मनीष डब्बेवाला, वीरेंद्र त्रिवेदी, आचार्य अमृतेश त्रिवेदी, संजय जोशी कुंडवाला गुरु, प्रेम त्रिवेदी, आदित्य शर्मा, उज्जवल जोशी कुंडवाला गुरु, हनी नागर, जिया जोशी, शीला जोशी, पूजा जोशी, मनोरमा जोशी सहित समस्त तीर्थ पुरोहित पुजारी परिवार ने आरती की और प्रसाद वितरण किया गया। पं. अजय जोशी ने बताया कि शिप्रा नदी के पास स्थित पृथुकेश्वर महादेव एवं केदारेश्वर महादेव मंदिर का विशेष महत्व है। जब केदारेश्वर के पट बंद होते हैं। तो भगवान अवंतिका नगरी शिप्रा नदी छोटी रपट के पास केदारेश्वर के स्वरूप में यहां विराजमान रहते हैं। यहां जल, दूध चढ़ाने तथा भगवान के चरण का जल पीने से शरीर में पीड़ा, कष्ट हो, कैंसर जैसी बीमारी भी ठीक हो जाती है।

श्री मायापति हनुमान मंदिर में मनाएंगे श्री गुरुदेव का पाटोत्सव

उज्जैन। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा, प्रभु प्रेमी संघ स्थापना दिवस तथा जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि के पाटोत्सव पर श्री मायापति हनुमान मंदिर प्रांगण में 5 नवंबर को गुरु पद पूजन, सत्संग, भजन, महाआरती एवं भोजन प्रसादी का आयोजन किया जा रहा है। मंदिर पुजारी गणेश राय ने बताया कि श्री मायापति हनुमान मंदिर सत्संग परिवार के सदस्यों द्वारा उक्त आयोजन 5 नवंबर बुधवार शाम को 5 बजे किया जाएगा। श्री मायापति हनुमान मंदिर, चरक भवन के सामने, सामाजिक न्याय परिसर, आगर रोड पर होने वाले इस धर्म कार्य में सभी गुरु भाई बहनों से पधारकर धर्म लाभ लेने का अनुरोध किया है।

सैकड़ों किसानों ने हाथ खड़े कर कहा- 'शिप्रा को पुनर्जीवित करने के लिए अपने खेतों में तालाब बनाएंगे

▸ **उद्गम से संगम पर्यंत संपूर्ण शिप्रा प्रदक्षिणा यात्रा में किसानों के बीच किया जनजागरण**

उज्जैन। त्रिशूल शिवगण वाहिनी द्वारा निकाली जा रही उद्गम से संगम पर्यंत संपूर्ण शिप्रा प्रदक्षिणा यात्रा में शिप्रा के जलसंग्रहण क्षेत्र के सैकड़ों किसानों ने शिप्रा नदी को पुनर्जीवित करने के लिये हाथ खड़े कर अपने खेतों में स्वयं के खर्च पर तालाब बनाने की सहमति प्रदान की है। ग्रामीणों ने शिप्रा प्रदक्षिणा यात्रा के जरिए शिप्रा नदी को उसके पुरातन वैभव में लौटाने के प्रयासो को सराहा है और हर संभव सहयोग के लिए भी तत्पर हुए है।

त्रिशूल शिवगण वाहिनी के संस्थापक व यात्रा संयोजक आदित्य नागर पूर्व अपर आयुक्त नगर निगम एवं सुरेन्द्र चतुर्वेदी राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज ने बताया कि महामंडलेश्वर श्री शैलेषानंद गिरि जी जूना अखाड़ा, महामंडलेश्वर श्री ज्ञान दास जी निर्मोही अखाड़ा दादू दयाल आश्रम, महंत श्री विशाल दास जी महाराज के मार्गदर्शन में निकाली जा रही उद्गम से संगम पर्यंत संपूर्ण शिप्रा प्रदक्षिणा यात्रा दूसरे दिन मूंडला दोसर गांव में शिप्रा उद्गम स्थल पर केवड़ेश्वर धाम से प्रारंभ हुई। यहां धर्मचेतना सभा में शामिल हुए ग्रामीणजनों ने 5 नवंबर को मां शिप्रा के तट पर 51 हजार दीपदान का संकल्प लिया है। देवास जिले के डकनाखेडी गांव व सांवेर के पास सिमरोड़ में दोपहर में सनातन पंचायत धर्म चेतना सभा हुई जिसमें संतों ने जनजागरण करते हुए किसानों से कहा जमीन का जल स्तर उठेगा तो शिप्रा पुन: पुनर्जीवित हो जाएगी। सभा में मौजूद मूंडला दोसर और सिमरोड़ सहित आसपास के सैकड़ों किसानों ने हाथ खड़े कर शिप्रा के लिए अपने अपने क्षेत्रों में तालाब बनाने के लिए सहमति प्रदान की है। यहां संतों सहित यात्रा में शामिल यात्रियों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया। इससे पहले रविवार की शाम देवास जिलें में शिप्रा तट पर यात्रा में शामिल संतजनो व भक्तों ने शिप्रा तट पर श्रमदान का स्वच्छता का संदेश बी दिया। सोमवार की शाम को यह यात्रा पुन: उज्जैन पहुंची व दत्त अखाड़ा घाट पर पीर जी सुंदरपुरीजी महाराज के सानिध्य में शैलेषानंदजी, दादूरामजी और अन्य संत महंतों ने शिप्राजी का पूजन किया। रात्रि विश्राम संत दादूदयाल आश्रम पर हुआ जहां धर्मसभा भी हुई जिसमें संतों ने संबोधित किया।

पतित पावनी शिप्रा नदी को उसके पौराणिक स्वरुप में लौटाने और उसे निर्मल करने के लिए जनजागरण करने और आम नागरिकों को जल संवर्धन के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से निकाली जा रही यह यात्रा शिप्रा चंबल संगम से होती हुई 5 नवंबर को पुन: उज्जैन आकर विसर्जित होगी। इस अवसर पर एक दिया क्षिप्रा के नाम अभियान के अंतर्गत दीपदान किया जाएगा।

देवउठनी ग्यारस से विवाह समारोह प्रारंभ, पुलिस हुई सक्रिय, थाना माकड़ोन में बैठक संपन्न

माकड़ोन। देवउठनी ग्यारस से विवाह समारोहों की शुरुआत होते ही पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार थाना माकड़ोन पुलिस पूरी तरह सक्रिय हो गई है। विवाह समारोहों के दौरान चोरी, सुरक्षा व कानून-व्यवस्था पर नियंत्रण के उद्देश्य से थाना परिसर में धर्मशाला और मैरिज गार्डन संचालकों की बैठक आयोजित की गई।

थाना प्रभारी प्रदीप सिंह राजपूत कहने पर उप निरीक्षक मंसाराम चौधरी सभी संचालकों को सुरक्षा के प्रति सजग रहने और संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखने के निर्देश दिए। बैठक में विवाह या अन्य सामाजिक कार्यक्रमों की जानकारी व अतिथियों की पहचान विवरण प्रतिदिन थाना माकड़ौन में प्रस्तुत करें। सभी गार्डन, धर्मशाला, होटल आदि में उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगवाएं। प्रत्येक विवाह स्थल पर यह बैनर लगाया जाए। अपने कीमती सामान सुरक्षित रखें, अनजान व्यक्तियों से सतर्क रहें। सभी संचालकों को अपने प्रतिष्ठानों पर 24 घंटे चौकीदार या गार्ड की ड्यूटी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। क्षेत्र में हाल ही में हुई घटनाओं के मद्देनज़र सतर्कता और त्वरित सूचना देने पर जोर दिया गया।

उप निरीक्षक मंसाराम चौधरी ने बताया कि यह पहल नागरिकों की सुरक्षा और अपराधों की रोकथाम के लिए की जा रही है। बैठक में उप निरीक्षक मंशाराम चौधरी, लालचंद शर्मा, हुकुम सिंह सोलंकी एवं सहायक उप निरीक्षक शांतिलाल राजपूत उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय अग्रवाल वैवाहिक परिचय सम्मेलन को लेकर बैठक

उज्जैन। श्री अग्रवाल जैसीस द्वारा कुलदेवी महालक्ष्मी एवं महाराजा अग्रसेनजी को छप्पन भोग लगाकर महाआरती का आयोजन अग्रवाल धर्मशाला गोला मंडी पर किया गया।

श्री अग्रवाल जैसीस के अध्यक्ष प्रतीक अग्रवाल, सचिव मोहित अग्रवाल ने बताया कि महोत्सव में अग्रवाल पंचायत न्यास के पूर्व अध्यक्ष एवं ट्रस्टी विजय अग्रवाल, पूर्व ट्रस्टी सुरेश गोयल, कैलाश मित्तल, जगदीशचंद्र गोयल, वरिष्ठ समाजसेवी महेश बजाज, ट्रस्टी संजय अग्रवाल, अजित मंगलम, मधुर गर्ग, जयकिशन अग्रवाल, वरिष्ठ समाजसेवी अनुराग जैन, सरोज अग्रवाल ने कुलदेवी महालक्ष्मी एवं महाराजा अग्रसेनजी की महाआरती की। आपने बताया कि कार्यक्रम स्थल को रंगोली, पुष्प सज्जा और झील मिल रोशनी से आच्छादित कर सजाया गया।

इस अवसर पर जमकर आतिशबाजी भी की गई। महाप्रसादी के संयोजक महेश अग्रवाल को बनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला पुरुषों ने वातावरण को धर्म मय बना दिया। आपने बताया कि आगामी 20 एवं 21 दिसंबर को उज्जैन में होने वाले अखिल भारतीय अग्रवाल वैवाहिक परिचय सम्मेलन को लेकर एक वृहद बैठक भी आयोजित की गई। इस बैठक को सम्मेलन के संयोजक विजय अग्रवाल ने संबोधित कर विस्तृत जानकारी देते हुए अखिल भारतीय अग्रवाल युवक युवती परिचय सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत की एवं विभिन्न समितियां बनाकर जिम्मेदारियां दी। इस अवसर पर अग्रवाल नवयुवक मंडल के अध्यक्ष इंद्रेश अग्रवाल ने अयोध्या सनातन धर्म यात्रा को लेकर पंजीयन एवं इसकी रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर जगदीश अग्रवाल, महिला जैसीस की अध्यक्ष संध्या अग्रवाल, नीलम मित्तल, रंजीता अग्रवाल, रेखा गुप्ता, मीनल अग्रवाल, कविता मंगलम, मीना शाह, राजेंद्र अग्रवाल, तरुण अग्रवाल, अजय गर्ग, राजेश गुप्ता, नरेंद्र गुप्ता, विनोद अग्रवाल, श्लोक अग्रवाल, पवन अग्रवाल, डॉ नरेंद्र अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, मुकेश मालाकंठी, राजेश मैदावाला, महेश अग्रवाल, आयुष चौधरी, संदीप बिंदल, हरीश मित्तल, मनोहर गर्ग, दीपक अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, शर्मिला गुप्ता, सीमा अग्रवाल, रेनू अग्रवाल, साहिल मैदा वाला पीयूष अग्रवाल आदि बड़ी संख्या में समाज उपस्थित थे। अंत में आभार जगदीश गोयल ने माना।

जिला स्तरीय युवा उत्सव में हुई वाद विवाद एवं वक्तृता प्रतियोगिता

उज्जैन। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग से प्राप्त निर्देशानुसार सभी महाविद्यालयों में युवा उत्सव का आयोजन हुआ। इसी क्रम में संस्था स्तर पर विजेता प्रतिभागियों द्वारा शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय उज्जैन में आयोजित जिला स्तरीय वाद विवाद एवं वक्तृता प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ हरीश व्यास की अध्यक्षता में दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। जिसमे वाद विवाद में कुल 9 तथा वक्तृता में कुल 11 प्रतिभागियों ने संस्था का प्रतिनिधित्व किया। डॉ हरीश व्यास ने अपने उद्बोधन में ऐसे आयोजनों को युवाओं के व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम बताया। निर्णायक मंडल द्वारा विभिन्न प्रस्तुतियों में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

वाद विवाद (पक्ष) में प्रथम राज भोगे शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय, द्वितीय आदित्य प्रताप सिंह सेंगर विधि अध्ययनशाला सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, तृतीय सैयद जुहा अली माधव कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय रहे। विपक्ष में प्रथम निहार जैन शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय, द्वितीय आयुषी रावल शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय, तृतीय परी मिश्रा विधि अध्ययनशाला सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय रही। वक्तृता प्रतियोगिता में प्रथम आदित्य प्रताप सिंह सेंगर विधि अध्ययनशाला सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, द्वितीय आयुषी रावल शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय, तृतीय निहार जैन शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ शशि जोशी ने किया तथा अंत में आभार युवा उत्सव प्रभारी डॉ अजय सक्सेना ने माना। डॉ आर एस राठौर, डॉ आर एल भामरा, डॉ आई के मंगल, डॉ सतीश पाटीदार, डॉ दीपेंद्र सिंह रघुवंशी, डॉ प्रदीप लाखरे, नेहा तिवारी एवं अनामिका शर्मा ने सक्रिय भागीदारी कर सहयोग प्रदान किया।

घोष वादन के साथ निकला पथ संचलन

बड़नगर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बड़नगर खंड के लोहाना मंडल में रविवार को घोष वादन के साथ ग्राम के मुख्य मार्गो पर पथ संचलन निकला। संचलन में बड़ी संख्या में 183 स्वयंसेवको की भागीदारी रही संचलन कार्यक्रम की अध्यक्षता महंत ओम वैष्णव धर्म गुरु थल सेना जूनियर कमीशन आफिसर लोहाना ने की।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अर्जुन सिसोदिया विभाग बौद्धिक प्रमुख उज्जैन ने की। मुख्य वक्ता ने अपने बौद्धिक में 100 वर्ष की संघ यात्रा पर प्रकाश डाला। संघ पर प्रतिबंध के बाद भी संघ अपने कार्य में सतत कार्य करता रहा और हिंदू समाज के लिए जागरण का कार्य करता आ रहा है। युवा वर्ग और ग्राम वासियों को बताया पंच परिवर्तन पर समाज में जो आज परिवर्तन लाना है। उसके विषय पर उन्हें चर्चाएं की और कार्य विस्तार को और बढ़ाना है। इस अवसर पर शताब्दी वर्ष के 7 करणीय कार्यों पर चर्चा करते हुए उन्होंने पर्यावरण के विषय में जागरूक रहने के लिए समाज को आगे बढ़कर आने को कहा एवं हिंदू समाज में समरसता की भावना लाए। शताब्दी वर्ष में संघ के पंच परिवर्तन के अंतर्गत नागरिक अनुशासन ,सामाजिक समरसता, पर्यावरण, स्वदेशी, कुटुम्ब प्रबोधन आदि पर भी बौद्धिक दिया। जानकारी जिला सह प्रचार प्रमुख देवेंद्र व्यास ने दी।

एक नजर ▸ **5 नवंबर कार्तिक शुक्ल बुधवार, उद्यात तिथि तिर्थ स्नान दान पुण्य में होगे, प्रदोष काल में दीपदान तिथि मान्य मानी जायेगी**

पुण्य पवित्र कार्तिक पूर्णिमा को किया शुभ कार्य कई गुना फल देता है

उज्जैन। धार्मिक मान्यता के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा तिथि के दिन किया गया कोई भी शुभ कार्य कई गुना फल प्रदान करता है। ऐसी स्थिति में वर्षो बाद ज्योतिष गणना के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा पर दुर्लभ योग का निर्माण हो रहा है। जिसमें सिद्धि योग, अश्वनी नक्षत्र बुधवार का विशेष संयोग बन रहा है। तिथि की शुरुआत आज 4 नवंबर रात से होगी तथा तिथि का समापन 5 नवंबर 2025 रात तक है।

प्रसिद्ध ज्योतिर्विद पं. अजय कृष्ण शंकर व्यास ने बताया कि त्रिपुरारी त्रिकार्तिक एक हिन्दू व्रत है जो कार्तिक पूर्णिमा से तीन दिन पहले त्रयोदशी से शुरू होता है और पूर्णिमा तक चलता है। सनातन धर्म में पूर्णिमा का अत्यधिक महत्व है क्योंकि यह महीने का अंत और सकारात्मक ऊर्जा, समृद्धि और शांति का प्रतीक है और पुर्ण तिथि के रूप में है जो मास समाप्ति का भी सुचक है। पूर्णा तिथियां दोनों पक्षों की 5, 10, 15 तिथि अर्थात पंचमी, दशमी और पूर्णिमा और अमावस पूर्णा तिथि कहलाती हैं। इनमें अमावस्या को छोड़कर बाकि दिनों में अंतिम 1 घटी या 24 मिनट पूर्व तक सभी प्रकार के लिए मंगलिक कार्यों के लिए ये तिथियां शुभ मानी जाती हैं। इस दिन विशेष रूप से स्नान, दान, पूजा, जप-तप और ध्यान करने का विधान है, जिससे सुख-समृद्धि और आध्यात्मिक शांति मिलती है। कई महत्वपूर्ण त्योहार जैसे गुरु पूर्णिमा, रक्षा बंधन, शरद पूर्णिमा, और कार्तिक पूर्णिमा भी पूर्णिमा को ही मनाए जाते हैं।

धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व-ज्योतिर्विद पं. अजय कृष्ण शंकर व्यास ने बताया कि यह ईश्वरीय जुड़ाव, शुद्धि और भक्ति का दिन है। इस दिन भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी, भगवान शिव और अन्य देवी-देवताओं की पूजा के लिए तथा सत्यनारायण व्रत और पूर्णिमा व्रत के लिये विशेष माना जाता है। पवित्र नदियों में स्नान और अन्न, वस्त्र, धन का दान करना अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है।

कार्तिक पूर्णिमा के लिए विशेष घाट-ज्योतिर्विद पं. अजय व्यास के अनुसार उज्जैन में कार्तिक पूर्णिमा के लिए विशेष स्नान-घाट और पिंडदान-अनुष्ठान का महत्व है शिप्रा नदी घाट पिशाच मोचनत तिर्थ सोम तिर्थ, विशेषकर सुबह ब्रह्म मुहूर्त में यहाँ स्नान का विधान है। भक्तजन नम्रता से घाट पर आकर स्नान कर, सूर्य उदय से पहले या उसके आस-पास देवताओं को अर्घ्य देते हैं। सिद्धवट, रामघाट उज्जैन में पितरों के मोक्ष हेतु पिंडदान-जलदान का पवित्र स्थल है। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर यहाँ विशेष तर्पण पिंडदान, जलदान अनुष्ठान होते हैं। यदि पितृ कर्म करना चाहते हैं, तो यह एक महत्वपूर्ण स्थान है। स्नान हेतु सुबह जल्दी उठें, ब्रह्म मुहूर्त का समय उत्तम माना जाता है। श्रद्धालु स्नान के बाद घाट पर शांत मन से दर्शन-पूजन करते हैं। तर्पण, पिंडदान या दीप जलदान घाटों पर किया जाता है।

▸ पूर्णिमा ज्योतिष में बहुत शुभ

पं. अजय व्यास ने बताया कि वैदिक ज्योतिष के अनुसार चंद्रमा को मन का कारक माना जाता है और पूर्णिमा को चंद्रमा अपने पूरे आकार में होता है, जिससे इसका प्रभाव सीधे मन पर पड़ता है। पूर्णिमा को ज्योतिष में बहुत शुभ माना जाता है, और इस दिन किए गए कार्य, जैसे विवाह और गृह प्रवेश, सफलता और समृद्धि लाते हैं। गुरु पूर्णिमा, रक्षाबंधन, शरद पूर्णिमा और कार्तिक पूर्णिमा जैसे कई प्रमुख त्योहार पूर्णिमा के दिन ही मनाए जाते हैं। कहा जाता है कि इस समय भगवान विष्णु जल में निवास करते हैं, इसलिए इस अवधि में स्नान करने को विशेष महत्व दिया जाता है।